UNIVERSITY OF JAMMU

SEMESTER COURSES
FOR
MASTER DEGREE PROGRAMME IN HINDI

The following courses of study are prescribed for the first, second, third and fourth Semester of the Master's Degree programme in Hindi:-

FIRST SEMESTER

Course Nos.	Title	Credits
400	Bhartiya Kavya Shastra	4
401	Hindi Sahitya Ka Itihas (upto Reeti Kaal)	4
402	Prachin Kavita	2
403	Nirgun Kavya	2
404	Sagun Kavya	2
405	Reeti Kaleen Kavya	2

Each student will have to offer courses carrying total credits at least 16. All the course Nos. are compulsory.

SECOND SEMESTER

Course Nos.	Title	Credits
450	Paschatya Kavya Shastra	4
451	Dwivedi Yugin Kavya	4
452	Chhaya Vadi Kavya	4
453	Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kaal)	4
454	Hindi Upnayas	4
455	Hindi Kahani	4
456	Rekha Chittar Evam Samnsmaran	4

Each student will have to offer courses carrying total credits of at least 16. Course Nos. 450 and 453 are compulsory. A student will have to option to offer any one Course No. out of course Nos. 451 and 452. Similarly, a student shall have to select one Course No. out of Course Nos. 454, 455 and 456. The University department reserves the right not to offer some of the options during a given academic year.

THIRD SEMESTER

Course Nos.	Title	Credits
500	Bhasha Shastra	4
501	Samajik Evam Sanskritik Itihas	4
502	Pragativadi Tatha Prayogvadi Kavya	4
503	Samkalin Kavita	4
504	Lambi Kavita	4
505	Hindi Nivandh	4
506	Hindi Aalochna	4

Each student will have to offer courses carrying total credits of at least 16. Course Nos. 500 and 505 are compulsory. A student will have to option to offer any one Course No. out of course Nos. 502, 503 and 504. Similarly, a student shall have to select one Course No. out of Course Nos. 501 and 506. The University department reserves the right not to offer some of the options during a given academic year.

FOURTH SEMESTER

Course Nos.	Title	Credits
551	Vishisht Adyayan (K) Prem Chand Or (Kh) Tulsidas	4
552	Folklore	4
553	Hindi Natak Aur Rang Manch	4
554	Prayojan Moolak Hindi	4
555	Hindi Bhasha Ka Itihas	4
556	Hindi Nivandh (Sidhant Aur Prayog)	4

Each student will have to offer courses carrying total credits of at least 16. Course Nos. 500 and 505 are compulsory. A student will have to option to offer any one Course No. out of course Nos. 502, 503 and 504. Similarly, a student shall have to select one Course No. out of Course Nos. 501 and 506. The University department reserves the right not to offer some of the options during a given academic year.

FIRST SEMESTER

DETAILED SYLLABUS

Course No : 400 **Title: Bhartiya Kavya Shastra**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in December 2010 to December 2011, 2012, 2013.

पाठ्यक्रम का विवरण

इकाई —1

भारतीय आचार्यों के अनुसार काव्य की परिभाषा और स्वरूप, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन ।

काव्य के रूप — दृश्य, श्रव्य तथा इनके भेद, शब्द शक्ति और उसके भेद ।

इकाई —2

भारतीय काव्यशास्त्र के संप्रदाय — रस, अलंकार, रीति, प्रमुख आचार्य एवं उनकी स्थापनाएँ ।

इकाई —3

ध्वनि, वक्रोक्ति एवं औचित्य संप्रदाय — प्रमुख आचार्य एवं उनकी स्थापनाएँ ।

इकाई —4

रस निष्पत्ति और साधारणीकरण, रस निष्पत्ति की प्रक्रिया, रसनिष्पति सूत्र की व्याख्या और तद्विषयक विभिन्न मत (भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक, अभिनवगुप्त) ।

साधारणीकरण — भट्टनायक, अभिनवगुप्त, जगन्नाथ, विश्वनाथ और रामचंद्र शुक्ल के विशेष सन्दर्भ में विवेचन ।

संस्तुत पुस्तकें

1. भारतीय काव्य शास्त्र — चौधरी सत्यदेव
2. काव्य के रूप — गुलाब राय
3. सिद्धान्त और अध्ययन — गुलाब राय
4. रस–सिद्धान्त की दार्शनिक व्याख्या — डॉ0 तारकनाथ बाली
5. भारतीय काव्य–शास्त्र की परम्परा — डॉ0 नगेन्द्र
6. भारतीय काव्य शास्त्र — रामानंद शर्मा
7. साहित्य शास्त्र — रामशरण दास गुप्त, राजकुमार
8. भारतीय काव्य शास्त्र के सिद्धान्त — कृष्णदेव शर्मा
9. समीक्षा शास्त्र के मानदण्ड — डा. रामसागर त्रिपाठी

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

प्रत्येक इकाई में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछे जाएंगे । इनमें से एक दीर्घ उत्तरापेक्षी और एक लघु उत्तरापेक्षी होगा ।

पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । इसमें कोई विकल्प नहीं होगा ।

अंक विभाजन इस प्रकार होगाः–

दीर्घ उत्तरापेक्षी = 14X4 = 56

लघु उत्तरापेक्षी = 4X4 = 16

वस्तुनिष्ठ प्रश्न = 1X8 = 08

कुल जोड़ = 80

दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा । लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में देना होगा ।

*****

DETAILED SYLLABUS

Course No : 401 **Title : Hindi Sahitya Ka Itihas (upto Reeti Kaal)**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in December 2010 to December 2011, 2012, 2013.

पाठ्यक्रम का विवरण

इकाई —1

इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, आधार–भूत सामग्री, साहित्येतिहास पुनर्लेखन की समस्या, हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल–विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण ।

इकाई —2

1. आदि काल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ–साहित्य रासो काव्य, जैन साहित्य ।
2. आदिकाल की प्रवृत्तियां
3. आदिकाल का नामकरण
4. आदिकालीन गद्य साहित्य

इकाई —3

1. भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन

2. निर्गुण काव्य की विशेषताएं एवं प्रमुख निर्गुण कवियों का योगदान

3. सगुण काव्य की विशेषताएं एवं प्रमुख कवितयों का योगदान

4. भक्तिकालीन भक्तीतर साहित्य : सामान्य परिचय

इकाई —4

1. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

2. रीतिकाल का नामकरण

3. रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं (रीतिबद्ध, रीतिमुक्त और रीतिसिद्ध) रीतिकालीन प्रवृत्तियां

4. रीतिकालीन गद्य साहित्य : सामान्य परिचय ।

संस्तुत पुस्तकें

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास — रामचन्द्र शुक्ल

2. हिन्दी साहित्य उदभव और विकास — हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास — रामकुमार वर्मा

4. हिन्दी साहित्य का इतिहास — डॉ0 नगेन्द्र

5. हिन्दी साहित्य का इतिहास — हुकुम चन्द राजपाल

6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास — डॉ0 बच्चन सिंह

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगाः–

प्रत्येक इकाई में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछे जाएंगे । इनमें से एक दीर्घ उत्तरापेक्षी और एक लघु उत्तरापेक्षी होगा ।

पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । इसमें कोई विकल्प नहीं होगा ।

अंक विभाजन इस प्रकार होगाः–

दीर्घ उत्तरापेक्षी = 14 (4X14 = 56)
(आलोचनात्मक प्रश्न)

लघु उत्तरापेक्षी = 4 (4X4 = 16)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न = 1(1X8 = 08)

कुल जोड़ = 80

*****

DETAILED SYLLABUS

Course No : 402 **Title : Prachin Kavita**

Credits : 2 **Maximum Marks : 50**

Duration of Examination : 2 Hrs. **(a) Semester Examination : 40**

(b) Sessional Assessment : 10

Syllabus for the examinations to be held in December 2010 to December 2011, 2012, 2013.

सप्रसंग व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तकें

1. विद्यापति पदावली — सम्पादक रामवृक्ष बेणीपुरी (केवल वन्दना भाग और नखशिख भाग)

2. संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो — सम्पादक हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह (केवल बड़ी लड़ाई समय के पहले 90 पद)

पाठ्यक्रम का विवरण

1. रासो व्युत्पति, परम्परा और पृथ्वीराज रासो
2. पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता
3. पृथ्वीराज रासो में रस योजना
4. पृथ्वीराज रासो की काव्य–भाषा
5. विद्यापति की रस योजना
6. विद्यापति की भक्ति भावना
7. विद्यापति की काव्य–भाषा
8. विद्यापति की लोक चेतना

संस्तुत पुस्तकें

1. रासो विमर्श — माताप्रसाद गुप्त
2. रासो काव्य परम्परा — सुमन राजे
3. चन्दवरदई और उनका काव्य — विपिन बिहारी
4. विद्यापति — डॉ0 आनन्द प्रकाश दीक्षित
5. विद्यापति — मनमोहन सहगल
6. विद्यापति : युग साहित्य — अरविंद नारायण सिन्हा

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगाः–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा । इसमे प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अवतरण दिया जाएगा ।

2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित ग्रन्थ से सम्बन्धित एक–एक (कुल दो) दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे ।

3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित ग्रन्थ से सम्बन्धित एक–एक (कुल दो) लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे ।

4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । इसमें कोई विकल्प नहीं होगा ।

अंक विभाजन इस प्रकार होगाः–

व्याख्या	5X2 = 10
दीर्घ उत्तरापेक्षी	9X2 = 18
लघु उत्तरापेक्षी	4X2 = 08
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	4X1 = 04
कुल जोड़	= 40

DETAILED SYLLABUS

Course No : 403 **Title : Nirgun Kavya**

Credits : 2 **Maximum Marks : 50**

Duration of Examination : 2 Hrs. **(a) Semester Examination : 40**

(b) Sessional Assessment : 10

Syllabus for the examinations to be held in December 2010 to December 2011, 2012, 2013.

सप्रसंग व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तकें

1. कबीर ग्रन्थावली — सम्पादक डॉ0 श्याम सुन्दर दास (गुरुदेव कौ अंग, सुमिरण कौ अंग, विरह को अंग में से प्रत्येक की पहली 25 साखियाँ एवं पदावली के पहले 15 पद)
2. जायसी पद्मावत — सम्पादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (स्तुति खण्ड एवं सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड)

पाठ्यक्रम का विवरण

1. कबीर की रहस्य भावना/श्रृंगार वर्णन/दार्शनिक विचार
2. कबीर काव्य का सामाजिक पक्ष
3. कबीर काव्य का शिल्प–विधान
4. निर्गुण काव्य–धारा में कबीर का स्थान
5. पद्मावत का महाकाव्यत्व
6. पद्मावत में श्रृंगार वर्णन/ प्रेम भावना
7. पद्मावत का काव्यशिल्प/अप्रस्तुत विधान
8. सूफी काव्य–परम्परा में जायसी का स्थान ।

संस्तुत पुस्तकें

1. कबीर — हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

2. कबीर साहित्य की परख — परशुराम चतुर्वेदी

3. पद्मावत का काव्य वैभव — मनमोहन गौतम

4. मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य — शिव सहाय पाठक

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगाः–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा । इसमे प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अवतरण दिया जाएगा ।

2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित ग्रन्थ में से सम्बन्धित एक–एक (कुल दो) दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे ।

3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित ग्रन्थ से सम्बन्धित एक–एक (कुल दो) लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे ।

4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । इसमें कोई विकल्प नहीं होगा ।

अंक विभाजन इस प्रकार होगाः–

व्याख्या	5X2 = 10
दीर्घ उत्तरापेक्षी	9X2 = 18
लघु उत्तरापेक्षी	4X2 = 08
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	4X1 = 04
कुल जोड़	= 40

*****

DETAILED SYLLABUS

Course No : 404 **Title : Sagun Kavya**

Credits : 2 **Maximum Marks : 50**

Duration of Examination : 2 Hrs. **(a) Semester Examination : 40**

(b) Sessional Assessment : 10

Syllabus for the examinations to be held in December 2010 to December 2011, 2012, 2013.

निर्धारित पुस्तकें

1. सूरदास — भ्रमरगीत सार, सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल
   (पद 101 से 150 तक)
2. तुलसीदास — विनयपत्रिका (51 नसे 100 पद तक, कुल 50 पद)
   (केवल गीता प्रेस गोरखपुर द्वारा प्रकाशित ग्रंथ का पाठ ही मान्य होगा)

पाठ्यक्रम का विवरण

1. सूरदास की भक्ति–भावना
2. सूरदास का विरह–वर्णन
3. भ्रमरगीत परम्परा में सूरदास का स्थान
4. भ्रमरगीत का काव्य सौष्ठव
5. तुलसीदास का समन्वयवाद/लोकनायकत्व
6. तुलसीदास की दार्शनिकता
7. तुलसीदास की भक्ति भावना
8. तुलसीदास का काव्य सौष्ठव

संस्तुत पुस्तकें

1. सूरदास — नंददुलारे बाजपेयी
2. सूरदास — आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. गोस्वामी तुलसीदास — आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4. तुलसी काव्य दर्शन — डॉ0 रामलाल सिंह
5. तुलसी साहित्य सुधा — डॉ0 भगीरथ मिश्र

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगाः–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा । इसमे प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अवतरण दिया जाएगा ।
2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित ग्रन्थ से सम्बन्धित एक–एक (कुल दो) दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे ।
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित ग्रन्थ से सम्बन्धित एक–एक (कुल दो) लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे ।
4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । इसमें कोई विकल्प नहीं होगा ।

अंक विभाजन इस प्रकार होगाः–

व्याख्या	5X2 = 10
दीर्घ उत्तरापेक्षी	9X2 = 18
लघु उत्तरापेक्षी	4X2 = 08
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	4X1 = 04
कुल जोड़	= 40

DETAILED SYLLABUS

Course No : 405 **Title : Riti Kaleen Kavya**

Credits : 2 **Maximum Marks : 50**

Duration of Examination : 2 Hrs. **(a) Semester Examination : 40**

(b) Sessional Assessment : 10

Syllabus for the examinations to be held in December 2010 to December 2011, 2012, 2013.

सप्रसंग व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तकें

1. संक्षिप्त रामचन्द्रिका, सम्पादक — जगन्नाथ तिवारी (व्याख्या के लिए केवल मंगलाचरण, सीता स्वयंवर, परशुराम संवाद)
2. धनानंद कवित्त, सम्पादक — विश्वनाथ मिश्र (पहले 30 पद)

पाठ्यक्रम का विवरण

1. केशव का आचार्यत्व, कवित्व, रामचन्द्रिका की संवाद–योजना, रामचन्द्रिका का महाकाव्यत्व ।
2. धनानंद का श्रृंगार वर्णन, धनानंद की काव्यकला, धनानंद की प्रेम–व्यंजना, धनानंद की भक्ति–भावना

संस्तुत पुस्तकें

1. केशव की काव्यकला — कृष्ण शंकर शुक्ल
2. केशव की काव्यकला — विजयपाल सिंह
3. धनानंद — डॉ0 गणेश दत्त सारस्वत
4. धनानंद काव्य दर्शन — डॉ0 सहदेव वर्मा
5. धनानंद संवेदना और शिल्प — राज बुद्धिराजा

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगाः–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा । इसमे प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अवतरण दिया जाएगा ।

2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित ग्रन्थ में से सम्बन्धित एक–एक (कुल दो) दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे ।

3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित ग्रन्थ से सम्बन्धित एक–एक (कुल दो) लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे ।

4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । इसमें कोई विकल्प नहीं होगा ।

अंक विभाजन इस प्रकार होगाः–

व्याख्या	5X2 = 10
दीर्घ उत्तरापेक्षी	9X2 = 18
लघु उत्तरापेक्षी	4X2 = 08
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	4X1 = 04
कुल जोड़	= 40

*****

SECOND SEMESTER

DETAILED SYLLABUS

Course No : 450 **Title: Pashchatya Kavya Shastra**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in May 2009 to May 2011,

इकाई —1 प्रमुख पाश्चात्य साहित्य–आचार्य

1. प्लेटो — काव्य एवं कला, काव्य सत्य, प्रेरणा का सिद्धांत, अनुकृति सिद्धांत ।

2. अरस्तु — अनुकरण सिद्धांत, काव्य प्रयोजन, काव्य सत्य, विरेचन का सिद्धांत ।

3. लोंजाइनस — उदात्त का सिद्धांत — स्वरूप गत तत्व

इकाई —2

1. ड्राइडन — अनुकरण और कल्पना, कल्पना का स्वरूप, काव्य प्रयोजन

2. वर्ड्सवर्थ — काव्य और कल्पना, काव्य–प्रयोजन, काव्य भाषा–शैली

3. कॉलरिज — काव्य प्रयोजन, सौंदर्य विवेचन, कल्पना, कला और अनुकरण

4. मैथ्युआर्नल्ड — काव्य प्रयोजन, काव्य और नैतिकता, कविता जीवन की आलोचना

इकाई —3

1. आई.ए.रिचर्ड्स — सम्प्रेषण का सिद्धांत, संवेगों का संतुलन, कविता और नैतिकता, कविता और विज्ञान

2. टी.एस. इलियट — परम्परा और निर्वैयक्तिकता, वस्तुनिष्ठ समीकरण, काव्यभाषा, काव्य–प्रयोजन, कविता और नैतिकता ।

इकाई —4

1. साहित्यिकवाद

   अभिव्यंजनावाद, स्वचछन्दतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

प्रत्येक इकाई में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक दीर्घ उत्तरापेक्षी (500 शब्दों में) एक लघु उत्तरापेक्षी (100 शब्दों में) प्रश्न और एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा ।

अंक विभाजन इस प्रकार होगाः–

दीर्घ उत्तरापेक्षी = 4X14 = 56

लघु उत्तरापेक्षी = 4X4 = 16

वस्तुनिष्ठ प्रश्न = 2X4 = 08

कुल जोड़ = 80

DETAILED SYLLABUS

Course No : 451 **Title : Dwivedi Yugin Kavya**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in May 2009 to May 2011,

पाठ्यक्रम का विवरण

इकाई —1 व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तकें

1. मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (केवल नवम् सर्ग)
2. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरि औध' : प्रिय प्रवास (प्रथम तीन सर्ग)
3. जगन्नाथ दास रत्नाकर : उद्धवशतक (प्रथम 50 पद)

इकाई —2

1. रामकाव्य परम्परा और साकेतकार की मौलिकता ।
2. साकेत का महाकाव्यत्व
3. उर्मिला का विरह वर्णन/चरित्र चित्रण
4. नवम् सर्ग का कलागत वैशिष्ट्य

इकाई —3

1. कृष्णकाव्य परश्म्परा में प्रियप्रवास का स्थान
2. प्रियप्रवासकार की मौलिक उद्‌भावनाएँ
3. प्रियप्रवास : महाकाव्यत्व
4. प्रियप्रवास : काव्य सौन्दर्य

इकाई —4

1. भ्रमरगीत परम्परा में उद्धवशतक का स्थान
2. उद्धवयशतक : दार्शनिकता
3. उद्धवशतक में मौलिकता
4. उद्धवशतक : कला वैशिष्ट्य

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगाः–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा । इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक व्याख्या पूछी जाएगी । 8X3 = 24
2. प्रत्येक निर्धारित सम्बद्ध इकाई पर आधारित एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जाएगा । 13X3 = 39
3. प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा । 4X3 = 12

4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । इस में कोई विकल्प नहीं होगा । 1X5 = 5

संस्तुत पुस्तकें

1. आज के प्रतिनिधि कवि — राजकिशोर यादव
2. आधुनिक प्रतिनिधि कवि — द्वारिका प्रसाद सक्सेना
3. साकेत एक अध्ययन — डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
4. मैथिलीशरण गुप्त : एक मूलयांकन, राजीव सक्सेना, हिन्दी बुक सेन्टर, दिल्ली ।
5. हरिऔध और उनका साहित्य, मुकुंददेव शर्मा, नंद किशोर ब्रदर्ज, वाराणसी ।
6. प्रिय प्रवास और साकेत की आदर्शगत तुलना, श्री बल्लभ शर्मा, मंगल प्रकाशन, जयपुर ।
7. प्रियप्रवास में काव्य, संस्कृति और दर्शन, द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा ।

*****

DETAILED SYLLABUS

Course No : 452 **Title : Chhaya Vadi Kavya**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in May 2009 to May 2011.

इकाई — 1

व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तकें

1. जयशंकर प्रसाद — कामायनी (चिन्ता और रहस्य सर्ग)
2. सुमित्रानन्दन पन्त — रश्मिबंध (परिवर्तन, नौका बिहार, एक तारा, हिमाद्रि, मौन–निमन्त्रण)
3. महादेवी वर्मा — सन्धिनी (1, 2, 3, 4, 8, 9, 10, 11, 14, 16, 22, 23, 25, 35, 37, कुल — पन्द्रह गीत)

इकाई — 2

1. कामायनी : दार्शनिक पृष्ठभूमि
2. कामायनी : रूपक तत्व
3. कामायनी : काव्य रूप/महाकाव्यत्व
4. कामायनी : इतिहास और कल्पना

इकाई — 3

1. सुमित्रानन्दन पन्त : छायावाद के संदर्भ में स्थान अथवा मूल्यांकन

2 सुमित्रानन्दन पन्त : प्रकृति चित्रण

3. सुमित्रानन्दन पन्त : दार्शनिकता

4. सुमित्रानन्दन पन्त : काव्य शिल्प/शिल्पगत विशेषताएं

इकाई — 4

1. महादेवी वर्मा : छायावाद के संदर्भ में मूल्यांकन

2. महादेवी वर्मा : कविताओं का प्रतिपाद्य/विरहानुभूति

3. महादेवी वर्मा : रहस्यवादी चिन्तन

4. महादेवी वर्मा : गीति–विशेषताएं

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगाः–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा । इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक व्याख्या पूछी जाएगी । 8X3 = 24

2. प्रत्येक निर्धारित सम्बद्ध इकाई पर आधारित एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जाएगा । 13X3 = 39

3. प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा । 4X3 = 12

4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । इस में कोई विकल्प नहीं होगा । 1X5 = 5

संस्तुत पुस्तकें

1. कामायनी अनुशीलन, रामलाल सिंह, इण्डिया प्रेस लिमिटेड, प्रयाग ।
2. कामायनी, एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध, रजाकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
4. कामायनी मूल्यांकन और मूल्यांकन, इन्द्रनाथ मदान, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5. महादेवी : नया मूल्यांकन, डॉ0 गणपतिचन्द्रगुप्त, भारतेन्दु भवन लोअर बाजार शिमला ।
6. महादेवी साहित्य : एक नया दृष्टिकोण : पद्यम सिंह चौधरी, अपोलो प्रकाशन, जयपुर – 3 ।
7. महादेवी का काव्य, एक विश्लेषण, डॉ0 दुर्गाशंकर मिश्र, हिन्दी साहित्य भण्डार, 55, चौपाटियाँ रोड, लखनऊ – 3 ।
8. युगकवि पन्त की काव्य–साधना, विनय कुमार, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली ।
9. सुमित्रानन्दन पन्त, डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पबिलशिंग हाऊस, नई दिल्ली ।
10. पन्त का काव्य : डॉ0 प्रेमलता बाफना, साहित्य सदन, देहरादून ।
11. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : द्वारिका प्रसद सक्सेना ।

DETAILED SYLLABUS

Course No : 453 **Title : Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kal)**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in May 2009 to May 2011.

पाठ्यक्रम का विवरण

इकाई –1

1. अंग्रेजी राज्य की स्थापना और आधुनिक युग, नवोत्थान, गद्य के प्रारम्भिक उन्नायक, उन्नीसवीं शताब्दी के प्रमुख गद्यकार ।

इकाई — 2

2. भारतेन्दु युग की कविता और उसकी प्रवृत्तियां ।
3. द्विवेदी युग — बीसवीं शताब्दी के प्रमुख गद्यकार, द्विवेदी युग की कविता और उसकी प्रवृत्तियां ।

इकाई — 3

4. वादों की कविता — छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद ।
5. वादमुक्त कविता — नई कविता, अकविता, विचार कविता, नवगीत ।

इकाई — 4

6. गद्य विधाएं — कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध आलोचना एवं इक्कीसवीं शताब्दी में हिन्दी भाषा एवं सासहित्यकी संभावनाएं तथा चुनौतियां ।

संस्तुत पुस्तकें

1. हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी — नंद दुलारे वाजपेयी
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका — लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
3. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां — नामवर सिंह ।
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास — डॉ0 बच्चन सिंह ।
5. आधुनिक हिन्दी साहित्य — विकास के विविध पुष्पपाल सिंह ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगाः–

प्रत्येक इकाई में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछे जाएंगे । इनमें से एक दीर्घ उत्तरापेक्षी, एक लघु उत्तरापेक्षी और एक अति लघु उत्तरापेक्षी होगा ।

अंक विभाजन इस प्रकार होगाः–

दीर्घ उत्तरापेक्षी	14X4 = 56
लघु उत्तरापेक्षी	4X4 = 16
अति लघु उत्तरापेक्षी	2X4 = 08
कुल जोड़	= 80

*****

DETAILED SYLLABUS

Course No : 454 **Title : Hindi Upnyas**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in May 2009 to May, 2011.

पाठ्यक्रम का विवरण

निर्धारित पुस्तकें

1. गोदान — प्रेम चन्द
2. मैला आंचल — फणीश्वर नाथ रेणू ।
3. बूँद और समुद्र — अमृतलाल नागर

प्रमुख विवेच्य विषय :—

1. गोदान—

1 गोदान में आदर्श और यथार्थ ।

2. गोदान का कथानक ।

3. गोदान : कृषक जीवन का महाकाव्य ।

4. गोदान में ग्रामीण और नागरिक कथाओं का विवेचन ।

5. गोदान के प्रमुख पात्र — होरी, धनिया, गोबर, मालती ।

6. होरी का व्यक्तित्व और प्रेमचंद ।

2. मैला आंचल —

1 मैला आंचल की समस्याएं ।

2. मैला आंचल की लोक–संस्कृति ।

3. मैला आंचल और अंधविश्वास ।

4. आंचलिक उपन्यास परम्परा और मैला आंचल ।

5. मैला आंचल का कथानक ।

6. मैला आंचल के पात्र ।

7. मैला आंचल का परिवेश ।

3. बूँद और समुद्र —

1 बूँद और समुद्र : कलागत वैशिष्ट्य ।

2. सामाजिक समस्याएं ।

3. नारी चेतना ।

4. राजनैतिक परिवेश ।

5. महानगरीय बोध ।

6. प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण (वनकन्या, ताई, सज्जन, महिपाल, बाबा राम जी, डॉ0 शीला सिंह ।

संस्तुत पुस्तकें

1. प्रेमचंद का अध्ययन — राजेश्वर गुरु ।

2. उपन्यासकार प्रेमचंद — सुरेशचन्द्र गुप्त ।

3. आंचलिक उपन्यास, संवेदना और शिल्प — ज्ञानचन्द्र गुप्त ।

4. हिन्दी लघु उपन्यास — घनश्याम मधुप ।

5. फनीश्वर नाथ रेणु और मैला आंचल — गोपाल राम ।

6. फनीश्वर नाथ रेणु का कथा संसार — शैफालिका ।

7. फनीश्वर नाथ रेणु का कथा शिल्प — डॉ0 रेणु शाह ।
8. अमृतलाल नागर के उपन्यासों में सामाजिक चेतना — डॉ0 शोभा पालीवाल ।
9. अमृतलाल नागर का उपन्यास साहित्य — प्रकाश चन्द्र मिश्र ।
10. अमृतलाल नागर के उपन्यासों का सामाजशास्त्रीय अध्ययन — नागेश त्रिपाठी ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगाः–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा । गोदान और मैला आंचल में से एक–एक अवतरण शतप्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जाएगा । बूँद और समुद्र उपन्यास में से व्याख्या नहीं पूछी जाएगी । ।
2. प्रत्येक निर्धारित लेखक पर/संबद्ध इकाई पर आधारित दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न शतप्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जाएगा ।
3. प्रत्येक निर्धारित लेखक पर/संबद्ध इकाई पर आधारित एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न (शतप्रतिशत विकल्प) के साथ पूछा जाएगा ।
4. शतप्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित लेखक पर/संबद्ध यूनिट पर आधारित एक–एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा ।

अंक विभाजन इस प्रकार होगाः–

सप्रसंग व्याख्या	8½X2 = 17
दीर्घ उत्तरापेक्षी	14X3 = 42
लघु उत्तरापेक्षी	5X3 = 15
अति लघु उत्तरापेक्षी	2X3 = 6
कुल जोड़	= 80

दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा । लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न का उत्तर लगभग 40 शब्दों में देना होगा ।

DETAILED SYLLABUS

Course No : 455 **Title : Hindi Kahani**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in May 2009 to May, 2011.

निर्धारित पुस्तकें

1. परिन्दे — निर्मल वर्मा

   'डायरी का खेल', 'माया का मर्म', 'तीसरा गवाह', 'अंधेरे में' और 'परिन्दे' कुल पाँच कहानियाँ पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं ।

2. मांस का दरिया — कमलेश्वर ।

   ('तलाश', 'मांस का दरिया', ऊपर उठता हुआ मकान', 'जो लिखा नहीं जाता', 'बदनाम बसती', और 'नीली झील') कुल छः कहानियाँ पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं ।

3. बादलों के घेरे — कृष्णा सोबती ।

   'बादलों के घेरे', 'बदली बरस गयी', 'कुछ नहीं — कोई नही', 'सिक्का बदल गया', 'आजादी शाम्मोजान की', 'एक दिन और मेरी माँ कहाँ...' कुल सात कहानियाँ पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं ।

पाठ्यक्रम का विवरण

1 नयी कहानी के आधार पर 'परिन्दे', कहानी संग्रह की समीक्षा ।

2. अस्तित्ववादी विचारधारा और 'परिन्दे', कहानी संग्रह ।

3. निर्मल वर्मा की कहानियों का परिवेश ।

4. निर्मल वर्मा की कथा–शैली ।

5. महानगरीय भाव–बोध विषयक कमलेश्वर की कहानियाँ ।

6. कमलेश्वर की कहानियों में स्त्री–पुरुष सम्बन्ध ।

7. कमलेश्वर की कहानियों का शिल्प ।

8. नयी कहानी के आधार पर कमलेश्वर की कहानियाँ ।

9. कृष्णा सोबती की कहानियों में नारी मनोविज्ञान ।

10. विभाजन की विभीषका और 'बादलों के घेरे' की कहानियाँ ।

11. कृष्णा सोबती की कथा शैली ।

12. महिला कहानीकारों में कृष्णा सोबती का स्थान ।

संस्तुत पुस्तकें

1. कहानी : नयी कहानी — नामवर सिंह ।

2. हिन्दी कहानी : अन्तरंग पहचान — डॉ0 रामदरश मिश्र ।

3. नयी कहानी की भूमिका — कमलेश्वर ।

4. कमलेश्वर — (सम्पादक) मधुकर सिंह ।

5. बीसवीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध : नयी कहानी — डॉ0 नरेन्द्र मोहन ।

6. नयी कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति — देवीशंकर अवस्थी ।

7. समकालीन कहानी का रचना विधान — गंगा प्रसाद विमल ।

8. आधुनिकता के सन्दर्भ में हिन्दी कहानी — डॉ0 नरेन्द्र मोहन ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगाः–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा । इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक (कुल तीन) अवतरण दिये जाएंगे ।

2. शतप्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित कहानी संग्रह से सम्बन्धित एक–एक (कुल तीन) दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे ।

3. शत प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित ग्रन्थ से सम्बन्धित एक–एक (कुल तीन) लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा ।

4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे । इसमें कोई विकल्प नहीं होगा ।

अंक विभाजन इस प्रकार होगाः–

सप्रसंग व्याख्या	8X3 = 24
दीर्घ उत्तरापेक्षी	12X3 = 36
लघु उत्तरापेक्षी	5X3 = 15
वस्तुनिष्ठ	1X5 = 05
कुल जोड़	= 80

DETAILED SYLLABUS

Course No : 456 **Title : Rekha Chitra Evam Samnsmaran**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in May 2009 to May 2011.

व्याख्या के लिए पुस्तकें —

1. निराला — कुल्लीभाट
2. अज्ञेय — अरे यायावर रहेगा याद । (पहले तीन संस्मरण)
3. हरिशंकर परसाई — विकलांग श्रद्धा का दौर (पहले दस)

पाठ्यक्रम का विवरण

इकाई –1

1. संस्मरण साहित्य के विकास में निराला का स्थान ।
2. कुल्लीभाट का सार
3. कुल्लीभाट की समीक्षा
4. कुल्लीभाट का उद्देश्य

इकाई — 2

1. रेखाचित्र परम्परा में अज्ञेय का स्थान ।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित रेखाचित्रों की समीक्षा ।
3. अज्ञेय के रेखाचित्रों की विशेषताएँ/संवेदना और शिल्प ।
4. अज्ञेय के रेखाचित्रों का चिन्तन और दर्शन ।

इकाई — 3

1. संस्मरण साहित्य में हरिशंकर परसाई का स्थान ।
2. परसाई के संस्मरणों की समीक्षा ।
3. विकलांग श्रद्धा का दौर की व्यंग्य योजना ।
4. विकलांग श्रद्धा का दौर नाम की सार्थकता ।

संस्तुत पुस्तकें

1. हिन्दी रेखाचित्र — हरवंश लाल शर्मा ।
2. हिन्दी रेखाचित्र — सिद्धान्त और विकास — मक्खन लाल शर्मा
3. हिन्दी का संस्मरण साहित्य — कमलेश्वर शरण सहाय ।
4. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या — रामस्वरूप चतुर्वेदी ।
5. अज्ञेय : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी ।
6. रेखा और रंग — डॉ0 विनय मोहन शर्मा ।
7. रेखाचित्र स्वरूप और समीक्षा — डॉ0 विश्वनाथ प्रताप सिंह ।
8. विचार और विश्लेषण — डॉ0 नगेन्द्र

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगाः–

1. सप्रसंग व्याख्या के लिए तीनों पुस्तकों में से एक–एक गद्यांश शत–प्रतिशत विकल्प के साथ दिया जाएगा । 8X3 = 24

2. तीनों पुस्तकों में से एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जाएगा । जिन में से अज्ञेय और परसाई पर 12–12 और निराला पर 11 अंकों का प्रश्न पूछा जाएगा ।

   12+12+11 = 35

3. निर्धारित पुस्तकों में से एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जाएगा । 5X3 = 15

4. प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से एक–एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा । 2X3 = 6

*****

THIRD SEMESTER

DETAILED SYLLABUS

Course No : 500 **Title: Bhasha Shastra**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in December 2010 to December 2011, 2012, 2013

भाषा–शास्त्र

इकाई —1 भाषा विज्ञान

भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा विज्ञान : नामकरण, परिभाषा और क्षेत्र, भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएं — वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक, साहित्य के अध्ययन में भाषा–विज्ञान के अंगों की उपयोगिता ।

इकाई —2 स्वानिकी (ध्वनि विज्ञान)

स्वन (ध्वनि) परिभाषा, स्वानिकी (ध्वनि विज्ञान) परिभाषा, वाक् अवयव, स्वन सृजन प्रक्रिया, स्वन वर्गीकरण, स्वर की परिभाषा, स्वरों का वर्गीकरण — प्राचीन, अर्वाचीन, मानस्वर, संयुक्त स्वर, व्यंजन की परिभाषा, स्थान और प्रयत्न के आधार पर व्यंजनों का वर्गीकरण ।

इकाई —3 स्वानिमी (ध्वनिग्राम विज्ञान)

स्वनिम की परिभाषा, स्वानिमी की परिभाषा, स्वनिम स्वरूप, खंड्य स्वनिम, खंडेतर स्वनिम, पूरक वितरण, व्यतिरेकी वितरण, संस्वन, संस्वन और स्वनिम में अंतर, स्वनिम–विश्लेषण पद्धति : सामग्री–संकलन, सूचक, निम्नतम युग्म, संदिग्ध युग्म, स्थिति, परिस्थिति, अर्थ–भेदकता ।

इकाई —4 मर्ष विज्ञान (रूप विज्ञान) और वाक्य विज्ञान

परिभाषाएं — शब्द, पद, मर्षिम, संमर्ष । मर्षिम के प्रकार — मुक्त मर्षिम, बद्ध मर्षिम । व्याकरणिक कोटिय, वाक्य की परिभाषा, वाक्य के भेद, समीपी संघटक (निकटस्थ अवयव) ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगाः–

दीर्घ उत्तरापेक्षी — शतप्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक इकाई में से एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा । 12X4 = 48

लघु उत्तरापेक्षी — प्रत्येक इकाई में से शतप्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक प्रश्न पूछा जाएगा । 6X4 = 24

अति लघु उत्तरापेक्षी — प्रत्येक इकाई में से शतप्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक प्रश्न पूछा जाएगा । 2X4 = 08

संस्तुत पुस्तकें

1. हिन्दी भाषा का इतिहास — धीरेन्द्र वर्मा ।
2. हिन्दी का उद्‌भव और विकास — उदयनारायण तिवारी ।
3. भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी — सुनीति कुमार चटर्जी ।
4. भाषा विज्ञान — भोलानाथ तिवारी ।
5. भाषा और भाषिकी — देवी शंकर द्विवेदी ।
6. हिन्दी भाषाविज्ञान परिचय — ज्ञानराय काशीनाथ गायकवाड ।
7. सरल भाषा विज्ञान : अशोक के0 शाह ।

Important Glossary and Explanation

Long Answer Type Questions — दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न

Short Answer Type Questions — लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न

Very Short Answer Type Questions — अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न

दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा । लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न का उत्तर लगभग 40 शब्दों में देना होगा । तकनीकी प्रश्नों के उत्तर के लिए शब्द सीमा की बाध्यता नहीं होगी ।

*****

DETAILED SYLLABUS

Course No : 501 **Title : Samajik Evam Sanskritik Itihas**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in December 2010 to December 2011, 2012, 2013

सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास

इकाई —1

1. संस्कृति : परिभाषा और स्वरूप ।
2. भारतीय संस्कृति की सामान्य विशेषताएँ ।
3. आधुनिक भारत की सांस्कृतिक समस्याएं ।
4. आधुनिकता बोध और सांस्कृतिक संकट ।

इकाई —2

5. सिंधु घाटी की सभ्यता ।
6. सिंधु घाटी सभ्यता संबंधी नवीन खोज ।
7. वैदिक सभ्यता एवं संस्कृति ।
8. रामायण काल

9. महाभारत काल

10. जैन धर्म

11. बौद्ध धर्म

इकाई —3

12. सिकन्दर का आक्रमण और भारतीय संस्कृति पर उसका प्रभाव ।

13. सम्राट अशोक की भारतीय संस्कृति को देन ।

14. कुषाण कालीन सभ्यता ।

15. भारतीय और इस्लामिक सभ्यता का परस्पर आदान–प्रदान ।

इकाई —4

16. गांधी की सांस्कृतिक चेतना

17. ब्रह्म समाज की भारतीय संस्कृति को देन ।

18. आर्य समाज की भारतीय संस्कृति को देन ।

19. आधुनिक भारतीय जीवन पर पश्चिमी संस्कृति का आक्रमण और उससे उपजी समस्याएं ।

20. इक्कीसवीं शताब्दी में भारतीय संसकृति : समस्याएं और संभावनाएं ।

संस्तुत पुस्तकें

1. संस्कृति के चार अध्याय — रामधारी सिंह दिनकर

2. भारत का सांस्कृतिक इतिहास — हरिदत्त वेदालंकार

3. भारत की संस्कृति के मूल तथ्य — डॉ0 वैजनाथ पुरी

4. भारत की संस्कृति और कला — राधा कमल मुकर्जी

5. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति — डॉ0 निर्मला भार्गव

6. पौराणिक साहित्य और संस्कृति — भास्करानन्द लोहनी

7. भारतीय संस्कृति और साधना — गोपीनाथ कविराज

8. भारतीय कला और संस्कृति की भूमिका — भगवतशरण उपाध्याय

9. प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता — दामोदर धर्मानन्द कोसंबी

10. हिन्दु सभ्यता — राधाकुमुद मुखर्जी

11. प्राचीन भारत — राधाकुमद मुखर्जी

12. पूर्व मध्यकालीन भारत का सामंती समाज और संस्कृति — रामशरण शर्मा

13. हडप्पा सभ्यता और वैदिक साहित्य — भगवान सिंह

14. भारतीय कला और संस्कृति की भूमिका — भगवत शरण उपाध्याय

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगाः–

चारों इकाईयों में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक दीर्घ उत्तरापेक्षी, एक लघु उत्तरापेक्षी एवं एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जायेगा ।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरापेक्षी	अंक	12X4 = 48
लघु उत्तरापेक्षी	अंक	6X4 = 24
अति लघु उत्तरापेक्षी	अंक	2X4 = 08
कुल जोड़		= 80

*****

DETAILED SYLLABUS

Course No : 502 **Title : Pragtivadi Tatha Prayogvadi Kavya**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in December 2010 to December 2011, 2012, 2013

व्याख्या भाग

निर्धारित पुस्तकें —

1. फूल नहीं रंग बोलते हैं — केदार नाथ अग्रवाल (15 कविताएं)
   अस्थि के अंकुर, सबके लिए, देश की आशाएं, बुन्देलखंड के आदमी, पैतृक सम्पति, कटुई का गीत, मोरचे पर, लेखक की स्वतन्त्रता, लौह का घन गल रहा है, हथौड़े का गीत, मैं, मैं घोड़ों की दौड़, मैंने उसको, वह चिड़िया जो और फूल नहीं रंग बोलते हैं ।

2. आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि — अज्ञेय (दस कविताएं)
   हमने पौधे से कहा, आज थका हिया हारिल मेरा, सेवरे उठा तो धूप खिली थी, सागर मुद्रा, नया कविः आत्म स्वीकार, जो कहा नहीं गया, मैं वहाँ हूँ, नदी के द्वीप, नाच और कितनी नावों में कितनी बार ।

3. प्रतिनिधि कविताए — नागार्जुन (दस कविताएं)

प्रतिबद्ध हूँ, वो हमें चेतावनी देने आए थे, गुलाबी चूडियां, लालू साहू, तेरी खोपड़ी के अन्दर, शासक की बन्दूक, आकाल और उसके बाद, पैने दाँतों वाली, बहुत दिनों के बाद ओर बादल को घिरते देखा है ।

अध्येय विषय

इकाई — 1

1. प्रगतिवादी काव्य में केदारनाथ अग्रवाल का योगदान
2. केदारनाथ अग्रवाल की काव्य–सम्वेदना
3. केदारनाथ अग्रवाल का शिल्प–विधान
4. 'फूल नहीं रंग बोलते हैं' की कविताओं का विषयगत शिल्पगत तथा भावगत अध्ययन ।

इकाई — 2

1. नागार्जुन की प्रगतिशील चेतना
2. नागार्जुन की लोकदृष्टि
3. नागार्जुन की व्यंग्य योजना
4. नागार्जुन का शिल्प विधान

इकाई — 3

1. प्रयोगवादी कविता और अज्ञेय
2 अज्ञेय की सांस्कृतिक चेतना
3. अज्ञेय का काव्य — चिंतन और उनकी कविता
4. अज्ञेय की प्रतीक योजना

संस्तुत पुस्तकें

1. प्रगतिवादी काव्य साहित्य — कृष्ण लाल हंस ।
2. प्रगतिवादी काव्य — उमेश चन्द्र मिश्र ।
3. हिन्दी की प्रगतिशील कविता — डॉ0 रणजीत ।
4. सप्तक काव्य — डॉ0 अरविन्द ।
5. प्रयोगवाद और नवीन की कविता — डॉ0 शम्भू नाथ सिंह ।
6. अज्ञेय की कविता — चन्द्रकांत वांदिवाडेकर ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगाः–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा । इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से एक–एक अतवतरण शत–प्रतिशत विकल्प के साथ दिया जाएगा । 7X3 = 21

2. प्रत्येक निर्धारित लेखक पर/संबद्ध इकाई पर आधारित दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ । 10X3 = 30

3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित लेखक/इकाई पर आधारित एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न । 5X3 = 15

4. शतप्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित लेखक पर/संबद्ध इकाई पर आधारित एक–एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न । 3X3 = 9

5. समस्त पाठ्यक्रम पर आधारित पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न । 1X5 = 5

दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा । लघु उत्तापेक्षी प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में तथा अतिलघु उत्तरापेक्षी प्रश्न का उत्तर लगभग 40 शब्दों में देना होगा ।

DETAILED SYLLABUS

Course No : 503 **Title : Samkalin Kavita**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in December 2010 to December 2011, 2012, 2013

निर्धारित पुस्तकें :–

इकाई –1

व्याख्या भाग

1. मुक्तिबोध — चांद का मुंह टेढ़ा है । (ब्रह्मराक्षस, लकड़ी का बना रावण, मेरे लोग ।
2. धूमिल — संसद से सड़क तक (कविता, बसन्त, पतझड़, मुनासिब कार्रवाई)
3. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना — कुआनो नदी । (कुआनो नदी, गोबरेले, शरणार्थी, दंगों के बाद)

पाठ्यक्रम का विवरण

इकाई — 2 पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं के आधार पर मुक्तिबोध की काव्य दृष्टि, काव्य–शिल्प, काव्यगत महत्ता, समकालीन कविता और मुक्तिबोध ।

इकाई — 3 पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं के आधार पर धूमिल की काव्यदृष्टि काव्यशिल्प, काव्यगत महत्व, समकालीन कविता और धूमिल ।

इकाई — 4 पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं के आधार पर सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की काव्य–दृष्टि, काव्य–शिल्प, काव्यगत महत्व, समकालीन कविता और सर्वेश्वरदयाल सक्सेना ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन इस प्रकार होगाः–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा । इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से एक–एक अवतरण शत–प्रतिशत विकल्प के साथ दिया जाएगा । 7X3 = 21

2. प्रत्येक निर्धारित लेखक पर/संबद्ध यूनिट पर (यूनिट 2, 3, 4 से) आधारित दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ । 10X3 = 30

3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित लेखक/यूनिट पर (यूनिट 2, 3, 4 से) आधारित एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न । 5X3 = 15

4. शतप्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित लेखक पर/संबद्ध इकाई पर (यूनिट 2, 3, 4 से) आधारित एक–एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न । 3X3 = 9

5. समस्त पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न । 1X5 = 5

(इसमें कोई विकल्प नहीं दिया जायेगा ।)

संस्तुत पुस्तकें

1. कविता की वैचारिक भूमिका
2. फिलहाल — डॉ0 अशोक वाजपेयी
3. कविता के नये प्रतिमान — डॉ0 नामवर सिंह
4. अलक्षित मुक्तिबोध — डॉ0 मोती राम वर्मा
5. कविता जो साक्षी है — डॉ0 ओम प्रकाश गुप्त
6. समकालीन कविता — अशोक कुमार

*****

DETAILED SYLLABUS

Course No : 504 **Title : Lambi Kavita**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in December 2010 to December 2011, 2012, 2013

लम्बी कविता

इकाई — 1

व्याख्या भाग

निर्धारित कविताएँ

1. राम की शक्ति पूजा — निराला
2. असाध्य वीणा — अज्ञेय
3. प्रमथ्यु गाथा — धर्मवीर भारती
4. अंधेरे में — मुक्तिबोध
5. बलदेव खटिक — लीलाधर जगूड़ी
6. हरिजन गाथा — नागार्जुन

इकाई — 2

सैद्धान्तिक

1) लम्बी कविता : स्वतंत्र विध के रूप में

2) लम्बी कविता के तत्व

3) लम्बी कविता का इतिहास

इकाई — 3

राम की शक्ति पूजा, असाध्य वीणा पएवं प्रमथ्यु गाथा के वैशिष्ट्य पर आलोचनात्मक प्रश्न (कथ्यगत व शिल्पगत वैशिष्ट्य पर आधारित प्रश्न ।

इकाई — 4

अंधेरे में, बलदेव खटिक व हरिजन गाथा पर आलोचनात्मक प्रश्न । कथ्यगत एवं शिल्पगत वैशिष्ट्य पर आधारित प्रश्न ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन इस प्रकार होगाः–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा । इसमें निर्धारित कविताओं में से छः काव्यांश पूछे जाएंगे । प्रत्येक कविता में से एक काव्यांश अवश्य होगा । परीक्षार्थी को तीन काव्यांशों की व्याख्या करनी होगी । 7X3 = 21

2. प्रत्येक इकाई में से (इकाई 2,3,4 से) शत प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जायेगा । (कुल तीन) 10X3 = 30

3. प्रत्येक इकाई में से (इकाई 2, 3, 4 से) शत प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जायेगा । 5X3 = 15

4. प्रत्येक इकाई में से (इकाई 2, 3, 4 से) शत प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जायेगा । (कुल तीन) 3X3 = 9

5. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाऐंगे । (इसमें कोई विकल्प नहीं दिया जायेगा ।) । 1X5 = 5

संस्तुत पुस्तकें

1. कहीं भी खत्म नहीं होती कविता — संपा0 नरेन्द्र मोहन
2. विचार और लहू के बीच — संपा0 नरेन्द्र मोहन
3. बीसवीं शताब्दी की लम्बी कविताएं — संपा0 नरेन्द्र मोहन
4. लम्बी कविता का रचना विधान — संपा0 नरेन्द्र मोहन
5. समकालीन कविता के बारे में — नरेन्द्र मोहन
6. लम्बी कविता वैचारिक सरोकार — बलदेव बंशी
7. हिन्दी में लम्बी कविताओं का स्वरूप, अवधारण एवं मूल्यांकन हिन्दी में — कमलेश्वर प्रसाद
8. लम्बी कविताओं का रचना विधान — संपादक नरेन्द्र मोहन ।

*****

DETAILED SYLLABUS

Course No : 505 **Title : Hindi Nibandh**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in December 2010 to December 2011, 2012, 2013

पाठ्यक्रम का विवरण

निर्धारित पुस्तकें

इकाई — 1

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल — चिन्तामणि भाग – 1 केवल निम्नलिखित निबन्ध —

    1. भाव या मनोविकार
    2. श्रद्धा और भक्ति
    3. लज्जा और ग्लानि
    4. काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था

2. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, संकलित निबन्ध (संपादक) नामवर सिंह केवल निम्नलिखित निबन्ध —

    1. अशोक के फूल
    2. शिरीष के फूल

3. देवदारू

4. नाखून क्यों बढ़ते हैं

5. एक कुत्ता एक मैना

6. अब मैं नाच्यौ बहुत गौपाल ।

3. कुबेर नाथ राय — 'रस आखेटक' (केवल निम्नलिखित निबन्ध)

1. रस आखेटक

2. तृषा, तृषा, अमृत तृषा

3. दर्पण विश्वासी

4. हरी–हरी दूब और लाचार क्रोध

5. कवि तेरा भौर आ गया ।

इकाई — 2

1. रामचन्द्र शुक्ल के निबन्धों की विशेषताएं

2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबन्ध भाव प्रधान हैं या बुद्धिप्रधान ।

3. शुल्क जी के निबन्धों की भाषा–शैली ।

4. पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धों का कथ्यगत मूल्यांकन ।

इकाई — 3

1. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी के निबन्धों की विशेषताएं ।

2. हज़ारी प्रसाद के निबन्धों में व्यक्त भारतीय संस्कृति ।

3. द्विवेदी जी के निबन्धों की भाषा शैली ।

4. पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धों पर प्रश्न ।

इकाई — 4

1. निबन्ध साहित्य के विकास में कुबेरनाथ राय का स्थान ।
2. कुबेरनाथ राय के निबन्धों की विशेषताएं ।
3. कुबेरनाथ राय के निबन्धों की भाषा–शैली ।
4. पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धों पर प्रश्न ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन इस प्रकार होगाः–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा । इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से एक–एक अवतरण शत–प्रतिशत विकल्प के साथ दिया जाएगा । 7X3 = 21
2. प्रत्येक इकाई पर आधारित एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न शतप्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जाएगा । 10X3 = 30
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित इकाई पर (इकाई 2, 3, 4 से)एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न । 5X3 = 15
4. शतप्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित लेखक/ इकाई पर (इकाई 2, 3, 4 से) आधारित एक–एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न । 3X3 = 9
5. समस्त पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न । 1X5 = 5 (इसमें कोई विकल्प नहीं दिया जायेगा ।)

संस्तुत पुस्तकें

1. गुलाब राय — आलोचक रामचन्द्र शुक्ल

2. विजयेन्द्र स्नातक — आलोचक रामचन्द्र शुक्ल

3. डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त — आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

4. डॉ0 ओंकार नाथ शर्मा — हिन्दी निबन्ध का विकास

5. (सम्पादक) शिव प्रसाद सिंह — शान्ति निकेतन से शिवालिक

*****

DETAILED SYLLABUS

Course No : 506 **Title : Hindi Aalochna**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in December 2010 to December 2011, 2012, 2013

निर्धारित पुस्तकें :–

1. चिंतामणि — आचार्य रामचन्द्र शुक्ल भाग – 1
   केवल तीन निबन्ध (1. कविता क्या है? 2. साधारणीकरण और व्यक्ति वैचित्र्यवाद, 3. रसात्मक बोध के विविध रूप)
2. कबीर — हज़ारी प्रसाद द्विवेदी ।
   केवल दो निबन्ध (व्यक्तित्व विश्लेषण और भारतीय धर्म साधना में कबीर का स्थान)
3. प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ — डॉ0 रामविलास शर्मा (केवल तीन निबन्ध) — (साहित्य का उद्देश्य, साहित्य की परम्परा और तुलसी साहित्य के सामन्त विरोधी मूल्य)

पाठ्यक्रम का विवरण

इकाई — 1 सप्रसंग व्याख्या से संबंधित

इकाई — 2

1. हिन्दी आलोचना के विकास में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का स्थान
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के आलोचना सिद्धान्त ।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धों का विशिष्ट–आलोचनात्मक अध्ययन ।

इकाई — 3

1. हिन्दी आलोचना के विकास में हजारी प्रसाद द्विवेदी का स्थान
2. आचार्य द्विवेदी के आलोचनात्मक सिद्धान्त ।
3. आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी की कबीर–विषयक स्थापनाएं ।
4. पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखों के आधार पर आचार्य द्विवेदी की मान्यताओं का विवेचन ।

इकाई — 4

1. हिन्दी आलोचना के विकास में रामविलास शर्मा का स्थान ।
2. मार्क्सवादी आलोचना और रामविलास शर्मा
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धों के आधार पर डॉ0 रामविलास शर्मा की मान्यताओं का विशिष्ट विवेचन ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन इस प्रकार होगाः–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा । इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक के लेखों में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक व्याख्या पूछी जाएगी । 7X3 = 21

2. प्रत्येक निर्धारित लेखक/इकाई पर (इकाई 2, 3, 4 से) आधारित एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ । 10X3 = 30

3. प्रत्येक निर्धारित लेखक/इकाई पर आधरित (इकाई 2, 3, 4 से) एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ । 5X3 = 15

2. प्रत्येक निर्धारित लेखक/इकाई पर आधारित (इकाई 2, 3, 4 से) एक–एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न शतप्रतिशत विकल्प के साथ । 3X3 = 9

3. समस्त पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । 1X5 = 5

*****

FOURTH SEMESTER

DETAILED SYLLABUS

Course No : 551 **Title: Vishisht Adyayan**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in May 2009 to May 2011.

Course No. 551 consists of two parts : Part 'क' and Part 'ख' A Student will have to offer one option 'क' or 'ख'

(अ) उपन्यासकार प्रेमचन्द

पाठ्यक्रम का विवरण

भाग — क **उपन्यासकार प्रेमचन्द : सामान्य अध्ययन**

क. प्रेमचन्द : व्यक्तित्व एवं कृतित्व ।

ख. हिन्दी उपन्यास के विकास में प्रेमचन्द का स्थान ।

ग. प्रेमचन्द युगीन परिस्थितियाँ : सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, धार्मिक ।

घ) प्रेमचन्द का परम्परा बोध ।

भाग — ख रंगभूमि का विशिष्ट अध्ययन

क. 'रंगभूमि' का कथ्य ।

ख. 'रंगभूमि में प्रस्तुत समस्याएँ : औद्योगीकरण, देशी रियासतों की एवं ग्रामीण जीवन की समस्याएँ ।

ग. रंगभूमि में गांधीवाद ।

घ) रंगभूमि में जन जागरण ।

ङ) रंगभूमि के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण ।
(सूरदास, विनय, सोफिया, जाह्णवी, जानसेवक, सुभागी)

भाग — ग सेवासदन और गबन का विशिष्ट अध्ययन

उपभाग – 1

क. सेवासदन की प्रमुख समस्याएँ ।

ख. सेवासदन के प्रमुख पात्र — सुमन, गजाधर, सदन सिंह ।

ग. सेवासदन में नारी जागरण ।

घ) सेवासदन में आदर्श और यथार्थ ।

उपभाग – 2

क. गबन की प्रमुख समस्याएँ ।

ख. गबन के प्रमुख पात्र (जालपा, रमानाथ, रत्तन, देवीदीन की बुढ़िया) ।

ग. गबन में नारी मनोविज्ञान ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगाः–

इकाई —1

पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगास ।

इस भाग में केवल रंगभूमि से व्याख्याएँ पूछी जाएंगी । व्याख्या के लिए चार परिच्छेद दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो की व्याख्या करनी होगी । (विशेष टिप्पणी : सेवासदन और गबन की व्याख्याएं नहीं पूछी जाएंगी) 2X7 = 14

इकाई —2

पाठ्यक्रम के भाग

'क' (सामान्य अध्ययन) पर आधारित प्रश्न इस प्रकार होंगे —
एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न (शत प्रतिशत) विकल्प के साथ (10) एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न (शत प्रतिशत विकल्प के साथ) (6) एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न (शत प्रतिशत विकल्प के साथ) (4)

इकाई —3

'भाग – ख" रंगभूमि पर आधारित प्रश्न इस प्रकार होंगे —
एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न शत प्रतिशत विकल्प के साथ (10) एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न शत प्रतिशत विकल्प के साथ (6) एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न शत प्रतिशत विकल्प के साथ (4)

इकाई —4

"भाग –ग" सेवासदन और गबन से संबंधित प्रश्न इस प्रकार होंगे —
एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न (शत प्रतिशत) विकल्प के साथ (10) एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न (शत प्रतिशत विकल्प के साथ) (6) एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न (शत प्रतिशत विकल्प के साथ) (4)

इकाई —5

संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित छः वस्तुनिष्ठ प्रश्न (इसमें कोई विकल्प नहीं होगा) (6)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. प्रेमचन्द : जीवन और कृतित्व, हंसराज रहबर, आत्माराम एण्ड सन्ज । ।
2. प्रेमचन्द घर में : शिवरानी देवी, सरस्वती प्रेस, बनारस ।
3. प्रेमचन्द : एक अध्ययन, राजशेखर गुरु, एस चाँद एण्ड कम्पनी, दिल्ली ।
4. समस्या मूलक उपन्यासकार प्रेमचन्द्र, महेन्द्र भटनागर — हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय– वाराणसी ।
5. पत्रकार प्रेमचन्द और हंस, रत्नाकार पाण्डेय, राजेश प्रकाशन — दिल्ली ।
6. कुछ विचार, प्रेम चन्द ।
7. प्रेमचन्द और उनका युग, रामविलास शर्मा — राजकमल प्रकाशन — दिल्ली ।
8. प्रेमचन्द के साहित्य सिद्धान्त — नरेन्द्र कोहली — अशोक प्रकाशन — दिल्ली ।
9. प्रेमचन्द एक विवेचन — इन्द्रनाथ मदान, राधा कृष्ण प्रकाशन — दिल्ली ।
10. प्रेमचन्द — शिवारानी देवी, सरस्वती प्रेस, बनारस ।

DETAILED SYLLABUS

Course No : 551 (क) **Title : Vishist Adyayan**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in May 2009 to May 2011,

(ख) तुलसीदास

निर्धारित पुस्तकें :–

1. रामचरित मानस (अयोध्याकांड) केवल प्रसंग "मांगि नाव न केवट आना" से लेकर भारत के भारद्वाज आरम में निवास (चित्रकूट प्रस्थान से पूर्व) 'सम्पति चकई भरत' दोहे तक के पद ।
2. विनयपत्रिका (पद संख्या 101 से 110 तक)
3. कवितावली (प्रारम्भ से सत्रहवें छंद तक)

इकाई —1

सप्रसंग व्याख्या से संबंधित है । तीनों पुस्तकों में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक व्याख्या पूछी जाएगी ।

टिप्पणी — सप्रसंग व्याख्या के लिए गीता प्रेस गोरखपुर द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का पाठ मान्य होगा ।

भाग – क

निर्धारित विषय :

1. तुलसी का व्यक्तिगत एवं कृतित्व ।
2. तुलसी की रचनाओं की प्रामाणिकता ।
3. युगीन परिवेश (राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक) ।
4. राम की अवधारण और भक्ति–काव्य ।

भाग – ख

1. रामचरितमानस का महाकाव्यत्व
2. रामचरितमानस प्रतिपाद्य, नामकरण और उद्देश्य
3. आयोध्याकांड में प्रतिपादित जीवन मूल्य
4. मानस के पात्रों का शील — निरूपण (राम, सीता, लक्ष्मण, भरत)

भाग ग

1. आधुनिक संदर्भ में तुलसी काव्य की प्रासंगिकता ।
2. विनय पत्रिका में भक्ति का स्वरूप ।
3. कवितावाली — मूल्यांकन एवं वैशिष्ट्य ।
4. तुलसीदास की काव्य–कला ।

प्रश्न–पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

इकाई —2

भाग (क, ख, ग) से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा । 3X10 = 30

इकाई —3

प्रत्येक भाग (क, ख, ग) से शत प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा ।

इकाई —4

प्रत्येक भाग (क, ख, ग) से शत प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अति लघु उत्तरापक्षी प्रश्न पूछा जाएगा ।

इकाई — 5

पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । (5)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. तुलसीदास और उनका युग, राजपति दीक्षित, ज्ञानमण्डल लि0 वाराणसी ।

2. तुलसी संदर्भ और दृष्टि संपा0 केशवप्रसाद एवं वासुदेव सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी ।

3. तुलसी का काव्यकला, भाग्यवती सिंह, सरस्वती पुस्तक सदन आगरा ।

4. तुलसी की कारयित्री प्रतिभा का अध्ययन, श्री धर सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी ।

5. राम चरितमानस, शंभूनारायण चौबे ।

6. रामकथा : उत्पत्ति और विकास, फादर कामिल बुलके, हिन्दी परिषद इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ।

*****

DETAILED SYLLABUS

Course No : 552 **Title : Folklore**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in May 2009 to May 2011.

(क) लोकसाहित्य के सामान्य सिद्धान्त

पाठ्यक्रम का विवरण :–

(क) 1. लोक साहित्य की परिभाषा, क्षेत्र तथा विशेषताएं ।

2. लोककथा की परिभाषा, विशेषताएं तथा लोक कथा में कथा–अभिप्रायों की स्थिति ।

3. लोक गीत की परिभाषाएं, विशेषताएं, लोकगीतों के विषयगत तथा संरचनागत प्रकार ।

4. मंत्र, लोकमानस, लोकोक्ति, लोकनाट्य । डोगरी लोक साहित्य के संदर्भ में कारक, बार, बिसनपत्ते आदि पर दो टिप्पणियां ।

(ख) 1. लोक गाथा : परिभाषा, स्वरूप, विशेषताएं ।

2. शिष्ट साहित्य और लोक साहित्य ।

3. लोक साहित्य और लोक संस्कृति का अंतरावलंबन ।

4. हिन्दी साहित्य के अध्ययन में लोक साहित्य का महत्त्व

डोगरी लोकगीतों का आलोचनात्मक अध्ययन :

1. डोगरी लोकगीतों में श्रृंगार चित्रण
2. डोगरी लोकगीतों में प्रकृति चित्रण
3. डोगरी लोकगीतों में सामाजिक जीवन का चित्रण
4. डोगरी लोकगीतों में संस्कृति का चित्रण

पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तकें

संस्तुत पुस्तकें —

गीत–धरा अम्बर के संपादक : डॉ0 ओम प्रकाश गुप्ता

1. लोकसाहित्य विज्ञान — सत्येन्द्र
2. लोकसाहित्य की भूमिका — कृष्णादेव उपाध्याय ।
3. लोकसाहित्य — एक निरूपण — रामचन्द्र बोहरा ।
4. लोकसाहित्य और संस्कृति — दिनेश्वर प्रसाद ।
5. लोकसाहित्य — सिद्धान्त और प्रयोग — श्री राम शर्मा ।
6. लोकसाहित्य — 'जगदम्बा प्रसाद पांडेय ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन –

1. व्याख्या के लिए शत–प्रतिशत विकल्प के साथ दो पद्यांश पूछे जायेंगे ।
2. प्रत्येक इकाई से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ तीन प्रश्न पूछे जायेंगे । इनमें से एक दीर्घ उत्तरापेक्षी, एक लघु उत्तरापेक्षी और एक अति लघु उत्तरापेक्षी होगी ।

अंक विभाजन :

व्याख्या	अंक 2X8 = 16
दीर्घ उत्तरापेक्षी	अंक 12X3 = 36
लघु उत्तरापेक्षी	अंक 5X3 = 15
अति लघु उत्तरापेक्षी	अंक 3X3 = 09
(समग्र पाठ्यक्रम पर आधारित 4 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । (इसमें कोई विकल्प नहीं होगा) ।	अंक 1X4 = 04
कुल जोड़	= 80

Important Glossary and Explanation

Long Answer Type Questions — दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न

Short Answer Type Questions — लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न

Very Short Answer Type Questions — अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न

Objective Type Questions — वस्तुनिष्ठ/विषयनिष्ठ प्रश्न

DETAILED SYLLABUS

Course No : 553 **Title : Hindi Natak Aur Rang Manch**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in May 2009 to May 2011.

निर्धारित नाटक : इकाई –1

1. स्कन्दगुप्त — जयशंकर प्रसाद
2. आधे अधूरे — मोहन राकेश
3. एक और द्रोणाचार्य — डॉ. शंकरशेष

पाठ्यक्रम का विवरण

इकाई — 1

1. 'स्कन्दगुप्त' की ऐतिहासिकता ।
2. 'स्कन्दगुप्त' की नाट्यकला ।
3. 'स्कन्दगुप्त' की रंगमंचीयता ।
4. 'स्कन्दगुप्त' की गीतियोजना ।

इकाई — 2

1. 'आधे–अधूरे' तनाव और अलगाव का दस्तावेज ।
2. 'आधे–अधूरे' में चित्रित आधुनिक मध्यवर्गीय जीवन ।
3. 'आधे–अधूरे' की पात्र परिकल्पना ।
4. रंगमंचीय दृष्टि से 'आधे–अधूरे' का मूल्यांकन

इकाई — 3

1. 'एक और द्रोणाचार्य' की मिथकीय योजना
2. आधुनिक बोध की दृष्टि से 'एक और द्रोणाचार्य'
3. 'एक और द्रोणाचार्य' में व्यवस्था और बुद्धिजीवी का संघर्ष ।
4. रंगमंचीय दृष्टि से 'एक और द्रोणाचार्य' की सार्थकता ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगाः–

इकाई —1

प्रत्येक नाटक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक व्याख्या पूछी जाएगी । 3X7 = 21

इकाई –2

प्रत्येक भाग (क, ख, ग) में से शत प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक (कुल तीन) दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा । 10X3 = 30

इकाई 3

प्रत्येक भाग (क, ख, ग) से शत प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा । 5X3 = 15

इकाई –4

प्रत्येक भाग (क, ख, ग) में से शत प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा । 3X3 = 09

इकाई — 5

पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें कोई विकल्प नहीं होगा । 1X5 = 5

सहायक ग्रन्थ :

1. प्रसाद के नाटक स्वरूप और संरचना — गोविन्द चातक साहित्य, भारती, दिल्ली ।
2. हिन्दी नाटक — बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच — नेमिचन्द्र जैन ।
4. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच — डॉ0 लक्ष्मीनारायण लाल, साहित्य भवन, प्रा.लि., इलाहाबाद ।
5. रंगमंच और नाटक की भूमिका — डॉ0 लक्ष्मीनारायण लाल, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।
6. रंगदर्शन — डॉ0 नेमिचन्द्र जैन, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली ।
7. स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी नाटक : मोहन राकेश के संदर्भ में — डॉ0 रीता कुमार
8. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास : डॉ0 दशरथ ओझा ।

*****

DETAILED SYLLABUS

Course No : 554 **Title : Proyojan Moolak Hindi**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in May 2009 to May, 2011.

इकाई –1 : कामकाजी हिन्दी

1. हिन्दी के विभिन्न रूप — सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा और मातृभाषा ।

2. कार्यालयी हिन्दी के प्रमुख प्रकार्य — प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन और टिप्पण ।

3. पारिभाषिक शब्दावली — स्वरूप एवं महत्त्व, पारिभाषिक शब्दावली — निर्माण के सिद्धान्त ।

इकाई – 2 : हिन्दी कंप्यूटिंग

1. कंप्यूटर — परिचय, रूपरेखा, उपयोग ।

2. वेब पब्लिशिंग ।

3. लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल भेजना तथा प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिग एवं अपलोडिंग

इकाई – 3 : मीडिया लेखन

1. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप — मुद्रण, श्रव्य, दृश्य — श्रव्य और इंटरनेट ।

2. श्रव्य माध्यम (रेडियो) — श्रव्य माध्यम में भाषा की प्रकृति रेडियो नाटक, विज्ञापन लेखन, उद्घोषणा लेखन ।

3. दृश्य — श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन), दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पटकथा लेखन, टेली–ड्रॉमा, डॉक्यू ड्रॉमा, संवाद लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा ।

इकाई –4 : अनुवाद : सिद्धान्त और व्यवहार

क — सिद्धान्त पक्ष

1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि

2. कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद ।

3. वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद ।

ख — व्यावहारिक पक्ष

1. कार्यालयी अनुवाद, कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियां, पदनाम, विभाग ।

2. पत्रों के अनुवाद ।

3. बैंक – साहित्य के अनुवाद का अभ्यास ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

1. प्रत्येक इकाई से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक दीर्घ उत्तरापेक्षी, एक लघु उत्तरापेक्षी और एक अति लघु उत्तरापेक्षी होगी ।

अंक विभाजन

दीर्घ उत्तरापेक्षी	4X12 = 48
लघु उत्तरापेक्षी	4X5 = 20
अति लघु उत्तरापेक्षी	4X3 = 12
कुल जोड़	= 80

*****

DETAILED SYLLABUS

Course No : 555 **Title : Hindi Bhasha Ka Itihas**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in May 2009 to May, 2011.

पाठ्यक्रम का विवरण

इकाई – 1

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

1. प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं और उनकी विशेषताएँ ।

2. मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ और उनकी विशेषताएँ ।

3. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण ।

इकाई – 2

क. हिन्दी की उपभाषाएँ — पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और इनकी बोलियाँ ।

ख. खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ ।

इकाई – 3

क. हिन्दी शब्द रचना — उपसर्ग, प्रत्यय और समास ।

ख. हिन्दी भाषा के कारक चिन्हों का विकास ।

ग. हिन्दी सर्वनामों का विकास ।

इकाई – 4

क. हिन्दी के विविध रूप — संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा के रूप में हिन्दी ।

ख. हिन्दी की संवैधानिक स्थिति ।

ग. देवनागरी लिपि — विशेषताएँ और मानकीकरण ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी, एक–एक लघु उत्तरापेक्षी और एक–एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा । पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे जिस में कोई विकल्प नहीं होगा ।

अंक विभाजन

दीर्घ उत्तरापेक्षी	11 अंक	4X11 = 44
लघु उत्तरापेक्षी	5 अंक	4X5 = 20
अति लघु उत्तरापेक्षी	3 अंक	4X3= 12
वस्तुनिष्ठ	1 अंक	5X1 = 05
कुल जोड़		= 80

संस्तुत पुस्तकें

क. हिन्दी भाषा का इतिहास — धीरेन्द्र वर्मा

ख. हिन्दी का उद्‌भव और विकास — उदय नारायण तिवारी

ग. भारतीय आर्य भाषाएँ और हिन्दी — सुनीतिकुमार चटर्जी

घ. भाषा विज्ञान — भोलानाथ तिवारी

ङ. आर्य भाषा परिवार — रामविलास शर्मा

च. हिन्दी भाषा — भोला नाथ तिवारी

*****

DETAILED SYLLABUS

Course No : 556 **Title : Hindi Patrakarita (SidhantAur Prayog)**

Credits : 4 **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **(a) Semester Examination : 80**

(b) Sessional Assessment : 20

Syllabus for the examinations to be held in May 2009 to May 2011.

पाठ्यक्रम का विवरण

इकाई –1

1. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार ।
2. हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास ।
3. भारत में पत्रकारिता का आरंभ

इकाई — 2

1. समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व — समाचार संकलन तथा समाचार प्रस्तुतिकरण ।
2. सम्पादन कला के सामान्य सिद्धान्त — शीर्षकीकरण, पृष्ठविन्यास, आमुख और समाचारपत्र की प्रस्तुति–प्रक्रिया ।
3. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना ।

इकाई — 3

1. संवाददाता के गुण, कार्य, श्रेणी और योग्यता ।

2. पत्रकारिता से संबंधित लेखन — संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार ।

3. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता — रेडियो, टी.वी.,वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता ।

इकाई – 4

1. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचनाधिकार एवं मानव अधिकार ।
2. प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता ।
3. लोक सम्पर्क तथा विज्ञापन ।
4. मुक्त प्रेस की अवधारणा ।

प्रत्येक इकाई से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी, एक–एक लघु उत्तरापेक्षी तथा एक–एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा । पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें कोई विकल्प नहीं होगा ।

अंक विभाजन

दीर्घ उत्तरापेक्षी	11 अंक	4X11 = 44
लघु उत्तरापेक्षी	5 अंक	4X5 = 20
अति लघु उत्तरापेक्षी	3 अंक	4X3= 12
वस्तुनिष्ठ	1 अंक	4X1 = 04
कुल जोड़		= 80

*****